श्री उदय कुमार सिंह, माननीय स० वि० स० से प्राप्त शून्यकाल
सं०–18/3/538 का उत्तर प्रतिवेदन

प्रश्न	उत्तर
गयाजी जिले में गंगा जल योजना से गया शहर, मानपुर एवं बोधगया को शुद्ध पेयजल मिल रहा है, जबकि शेरघाटी विधानसभा के डोभी, शेरघाटी, आमस प्रखंड के पहाड़ी एवं सुदूरवर्ती क्षेत्र आज भी पेयजल संकट से जूझ रहे है। सरकार इन क्षेत्रों तक गंगा जल योजना का विस्तार करे।	वस्तुस्थिति यह है कि :– गंगाजल आपूर्ति योजना मानसून अवधि में गंगा के बाढ़ के पानी का उपयोग कर पूरे वर्ष राजगीर, गया, बोधगया एवं नवादा शहरों को उपलब्ध कराने हेतु तैयार किया गया है। इसके लिए इन शहरों के मानसून अवधि के पश्चात् आठ महीने के मांग हेतु जलाशयों में जल भंडारित किया जाता है। इस योजना में गंगाजी गया जलाशय, तेतर एव जल शोधन संयंत्र, मानपुर का निर्माण गया एवं बोधगया की शहरी जनसंख्या को ध्यान में रखकर किया गया है। उल्लेखनीय है कि इन शहरों के जनसंख्या में उतरोतर वृद्धि हो रही है। फलस्वरूप पानी की मांग में भी वृद्धि हो रही है। **अगर पानी की आपूर्ति गया एवं बोधगया शहरों के बजाय प्रश्नगत प्रखंड में की जाती है तो इससे पानी की मौजूदा माँग पूरी नहीं हो पायेगी।** गंगाजी गया जलाशय, तेतर का जल संचयन क्षमता सीमित है एवं वर्तमान में गया एवं बोधगया की जनसंख्या की मांग के अतिरिक्त जल उपलब्ध नहीं होने के कारण प्रश्नगत् प्रखंड में गंगाजल की आपूर्ति करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

बिहार सरकार
जल संसाधन विभाग

ज्ञापांक :– 26/वि0स0–05–17/2026 पटना/दिनांक :..
प्रतिलिपि : उप सचिव, संसदीय कार्य विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ह0/–
(अनिल कुमार पाण्डेय)
सरकार के उप सचिव

ज्ञापांक :– 26/वि0स0–05–17/2026 पटना/दिनांक :..
प्रतिलिपि : अधीक्षण अभियंता, यो0 एवं मो0 अंचल–03, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ह0/–
(अनिल कुमार पाण्डेय)
सरकार के उप सचिव

ज्ञापांक :– 26/वि0स0–05–17/2026 5073 पटना/दिनांक :02/9/2026
प्रतिलिपि : प्रशाखा पदाधिकारी, प्रशाखा–17, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना एवं कार्यपालक अभियंता आई0टी0 सेंटर, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

1/9/26
(अनिल कुमार पाण्डेय)
सरकार के उप सचिव